सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 101 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 16 मई, 2022
मूल्य ₹ 3/-

अगर आपको अपने जीवन के लक्ष्य प्राप्त करने हैं तो आपको अपनी आत्मा से शुरुआत करनी होगी।
-ओपरा विनफ्रे

आज रात्रिभोज में शामिल होंगे पीएम... 8 | प्रदेश में हरियाली बढ़ाने को... 3 | भाजपा राज में स्वास्थ्य सेवाएं... 7

हिंदू पक्ष का दावा, मिल गए 'बाबा', कोर्ट बोला, शिवलिंग मिलने वाले स्थान को करें सील

» सील स्थल पर किसी के आने-जाने पर पाबंदी, कोर्ट ने शासन-प्रशासन को दिया आदेश

» ज्ञानवापी सर्वे का काम पूरा, कल कोर्ट कमिश्नर पेश करेंगे रिपोर्ट

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। अदालत के आदेश पर आज ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में तीन दिन से चल रहा सर्वे का काम पूरा हो गया। सर्वे के बाद बाहर आए हिंदू पक्ष के सोहनलाल आर्य ने दावा किया कि नंदी जिसका इंतजार कर रहे थे वह बाबा मिल गए। इतिहास कालखंड में जो भी लिखा था वह मिल गया है। सर्वे पूरा होने के तत्काल बाद वादी पक्ष अदालत पहुंचा और शिवलिंग मिलने वाले स्थान को संरक्षित करने की मांग की। सुनवाई के बाद वाराणसी कोर्ट ने शिवलिंग मिलने वाले स्थान को सील करने का आदेश दिया है। वहीं कोर्ट कमिश्नर अजय कुमार मिश्र कल कोर्ट में सर्वे रिपोर्ट दाखिल करेंगे। इसके बाद कोर्ट तय करेगा कि ज्ञानवापी का सच क्या है?

सोहनलाल आर्य ने बताया कि जो भी सोचा या माना गया था उसकी उम्मीद से कहीं अधिक परिणाम इस सर्वे के दौरान हिंदू पक्ष को हासिल हुए हैं। हिंदू पक्ष के लिए आज का दिन बहुत बड़ा है। सोहनलाल आर्य 52 लोगों की उस टीम में शामिल हैं जो एडवोकेट कमिश्नर की कार्यवाही ज्ञानवापी मस्जिद में कर रही थी। वहीं हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव ने दावा किया कि पानी हटते ही विशाल शिवलिंग सामने प्रकट हुआ। यह 12.8 फीट व्यास का है। सर्वे के दौरान साक्ष्य के तौर पर शिवलिंग मिलने के बाद अधिवक्ताओं की ओर से अदालत में इस बाबत एक प्रार्थना पत्र देकर इसकी सुरक्षा को लेकर आदेश जारी करने की मांग की गई। अधिवक्ता हरिशंकर जैन की ओर से प्रस्तुत कार्रवाई की रिपोर्ट को प्रार्थना पत्र के साथ प्रस्तुत किया गया। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि 16 मई को शिवलिंग, मस्जिद कांप्लेक्स के अंदर एडवोकेट कमिश्नर की कमीशन कार्यवाही के दौरान पाया गया है। यह बेहद महत्वपूर्ण साक्ष्य है इसलिए सीआरपीएफ कमांडेंट को आदेशित किया जाए कि वह इसे सील कर दें। वहां 20 मुस्लिमों को नमाज अदा करने की इजाजत दी जाए और उन्हें वजू करने से भी तत्काल रोक दिया जाए। शिवलिंग को संरक्षित किया जाना अति आवश्यक है, न्याय हित में प्रार्थना पत्र स्वीकार किए जाने योग्य है। इस पत्र के बाद अदालत ने आदेश जारी कर दिया है। अदालत ने आदेश दिया है कि जिला मजिस्ट्रेट वाराणसी को आदेशित किया जाता है कि जिस स्थान पर शिवलिंग प्राप्त हुआ है उस स्थान को तत्काल प्रभाव से सील कर दें। सील किए गए स्थान पर किसी भी व्यक्ति का प्रवेश वर्जित किया जाता है। जिला मजिस्ट्रेट वाराणसी, पुलिस कमिश्नर वाराणसी तथा सीआरपीएफ कमांडेंट वाराणसी को आदेशित किया जाता है कि इस स्थान को सील किया जाए। उस स्थान को संरक्षित व सुरक्षित रखने की पूर्णतया व्यक्तिगत जिम्मेदारी उपरोक्त समस्त अधिकारियों की मानी जाएगी। सील की कार्यवाही के बाबत निरीक्षण प्रशासन द्वारा क्या-क्या किया गया है, इसके सुपर विजन की जिम्मेदारी पुलिस महानिदेशक पुलिस मुख्यालय उत्तर प्रदेश लखनऊ तथा मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ की होगी। आदेश रवि कुमार दिवाकर सिविल जज सीनियर डिवीजन वाराणसी की ओर से जारी किया गया है। इसके बाद डीएम ने यहां वजू पर भी पाबंदी लगा दी है।

ज्ञानवापी परिसर में शिवलिंग मिलने के दावे पर मचा तूफान

मुस्लिम पक्ष ने दावे को नकारा

मुस्लिम पक्ष का दावा है कि अंदर ऐसा कुछ नहीं मिला, जिसका दावा हिंदू पक्ष कर रहे हैं। वहीं दावे प्रति दावे के बीच कोर्ट कमिश्नर अजय कुमार मिश्र ने अदालती गाइडलाइंस का हवाला देते हुए शिवलिंग मामले पर चुप्पी साध ली तो काशी के डीएम कौशल राज शर्मा ने ऐसे दावे को निजी बताकर पल्ला झाड़ लिया है।

क्या है मामला

ज्ञानवापी परिसर स्थित श्रृंगार गौरी के रोजाना दर्शन-पूजन की मांग को लेकर पांच महिलाओं की ओर से दायर वाद पर बीते आठ अप्रैल को सुनवाई हुई। कोर्ट ने अजय कुमार मिश्र को अधिवक्ता आयुक्त नियुक्त करते हुए ज्ञानवापी परिसर का सर्वेक्षण कर 10 मई तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। छह मई को कमीशन की ओर से सर्वे शुरू हुआ लेकिन पूरा नहीं हो सका। सात मई को अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने अदालत में प्रार्थना पत्र देकर एडवोकेट कमिश्नर को बदलने की मांग की थी। इस पर वादी पक्ष की ओर से ज्ञानवापी मस्जिद की बैरिकेडिंग के अंदर तहखाने समेत अन्य उल्लिखित स्थलों का निरीक्षण करने का स्पष्ट आदेश देने की अपील की गई। इस मामले पर तीन दिन तक अदालत में सुनवाई चली। अदालत के आदेश के बाद कमीशन ने शनिवार से सर्वे का काम शुरू किया था।

सुप्रीम कोर्ट कल करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे वाली अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट मंगलवार यानी कल सुनवाई करेगा। निचली कोर्ट व इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर हो रहे मस्जिद के सर्वे को अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी ने शीर्ष कोर्ट में चुनौती दी है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ इस अर्जी को कल सुनेगी। याचिका में वाराणसी कोर्ट के आदेश पर शुरू हुए सर्वे पर रोक लगाने और यथास्थिति कायम रखने की मांग की गई है। जस्टिस चंद्रचूड़ के समक्ष मामले को सूचीबद्ध करने का आदेश सीजेआई एनवी रमन ने पिछले शुक्रवार को दिया था। पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट में वाराणसी की निचली कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी लेकिन 21 अप्रैल को हाईकोर्ट ने निचली कोर्ट के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील हुजेफा अहमदी ने सीजेआई के समक्ष मामले का उल्लेख किया था। तब पीठ ने मामले में यथास्थिति प्रदान करने से यह कहते हुए इनकार कर दिया था कि उसे इस मुद्दे की जानकारी नहीं है क्योंकि पीठ ने तब कागजात नहीं देखे थे।

सत्य को कितना भी छुपाएं वह सामने आ ही जाता है: केशव प्रसाद मौर्य

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शिवलिंग मिलने के दावे पर कहा कि बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर ज्ञानवापी में बाबा महादेव के प्रकटीकरण ने देश की सनातन हिंदू परंपरा को एक पौराणिक संदेश दिया है। सत्य को आप कितना भी छुपा लीजिए लेकिन एक दिन सामने आ ही जाता है क्योंकि सत्य ही शिव है। बाबा की जय, हर हर महादेव।

"वहां ज्ञानवापी मस्जिद थी और कयामत तक रहेगी। हमसे बाबरी मस्जिद को छीन लिया गया। अब दूसरी मस्जिद नहीं खोएंगे।

असदुद्दीन ओवैसी, राष्ट्रीय अध्यक्ष एआईएमआईएम

स्वतंत्र देव का गुम हो गया मोबाइल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अमरोहा जनपद में दो दिवसीय दौरे पर आए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का मोबाइल गुम हो गया। इसकी जानकारी पुलिस-प्रशासन को हुई तो हड़कंप मच गया। दिनभर तलाश के बाद मोबाइल एक भाजपा नेता के घर से बरामद हो गया। पुलिस के मुताबिक कैबिनेट मंत्री का मोबाइल भाजपा नेता के घर में टायलेट में छूट गया था। जलशक्ति मंत्री को मुरादाबाद मंडल का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। इसलिए

वह 13 व 14 मई को दो दिवसीय दौरे पर जनपद में आए थे।

14 मई यानी शनिवार की सुबह वह थाना रजबपुर क्षेत्र के गांव चोटीपुरा निवासी भाजपा नेता प्रदीप कुमार के आवास पर भी गए थे। बताते हैं कि वहां टायलेट में जाने के बाद अपना मोबाइल वहां पर रखकर भूल गए। इसके बाद वह निरीक्षण के लिए निकल गए। दोपहर तक निरीक्षण करने के बाद वह अमरोहा की सीमा से निकलकर हापड़ क्षेत्र में पहुंचे तो शाम को एक मैसेज फ्लैश हुआ कि कैबिनेट मंत्री का फोन गुम हो गया है। इसके बाद अमरोहा पुलिस-प्रशासन में खलबली मच गई। पुलिस ने इधर-उधर तलाश किया मगर, कोई सुराग नहीं लगा। बाद में मोबाइल नंबर सर्विलांस पर लगाकर लोकेशन ट्रेस की तो रजबपुर थाने के गांव पपसरा में मिली। जिस पर सीओ सतेंद्र सिंह टीम लेकर पपसरा में पहुंच गए। लेकिन, वहां पर फोन नहीं मिला। इस बीच पुलिस द्वारा फोन पर लगातार काल भी की जा रही थी तो अचानक से काल रिसीव हुई और पता चला कि फोन गांव चोटीपुरा में भाजपा नेता के घर पर है। इसके बाद पुलिस ने सुकून की सांस ली। रविवार को कैबिनेट मंत्री का फोन बरामद हो गया।

पूरी दुनिया में है महंगाई, जनता को देना होगा सहयोग : राजनाथ

» पीएम मोदी ने महंगाई पर लगा रखी है लगाम

» छोटी-छोटी समितियां बनाएं और क्षेत्र की समस्याएं दूर करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कोविड और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण एक जगह से दूसरे स्थान पर सामान आने-जाने में दिक्कत आई। इससे सप्लाई चेन जितने आराम से चलनी चाहिए थी, वह नहीं चली। इसके कारण महंगाई आई। सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में महंगाई आई है। ऐसे में जनता को सहयोग करना होगा, ताकि इससे निकला जा सके।

राजनाथ ने लखनऊ में कहा कि अर्थव्यवस्था के मामले में सबसे अच्छे माने जाने वाले अमेरिका में 40 वर्षों की सबसे अधिक महंगाई है। ऐसे में यह एक बड़ी चुनौती के साथ संकट भी है। इसलिए इस संकट से उबरने में सभी को सहयोग करना होगा। पीएम मोदी ने इस संकट की घड़ी में भी मोर्चा संभाला और

महंगाई को बहुत बढ़ने नहीं दिया। महंगाई के बावजूद कारोबार में तेजी है, जिसके चलते जीएसटी के रूप में कई करोड़ रुपये जमा हुए हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि पीएम मोदी इस उम्र में भी 18 घंटे काम करते हैं और समाज के अंतिम व्यक्ति तक के लिए चिंता करते हैं। बताया कि भ्रष्टाचार कम करने के लिए जनधन खाते खोले गए। किसान सम्मान निधि व सरकार की अन्य योजनाओं का पैसा सीधे लोगों के एकाउंट में आया। डिजिटल इंडिया का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार में एक भिखारी क्यूआर कोड बनवाकर भीख ले रहा था। रक्षामंत्री ने कहा कि अपने क्षेत्र की समस्याएं दूर करने के लिए समितियां बनाएं। ऐसा छोटे-छोटे इलाकों में भी हो, ताकि परेशानियां दूर होने के साथ आपकी आवाज को ऊपर तक पहुंचाया जा सके।

जनता का भरोसा बनाए रखना नेताओं की चुनौती

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आजाद भारत के इतिहास में नेताओं की कथनी और करनी में फर्क आया है। इससे जनता में उनके प्रति विश्वास कम हुआ है। ऐसे में राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वालों को प्रयत्न जरूर करना चाहिए, ताकि जनता का भरोसा बना रहे। रक्षामंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। अब विश्व हमारी बातों को गंभीरता से लेता है। रूस-यूक्रेन संकट में भारत ने बिना किसी के दबाव में आए तटस्थ नीति को अपनाया। रक्षामंत्री ने बताया कि पीएम ने रक्षा क्षेत्र के उपकरण खरीदने के लिए 85 हजार करोड़ का बजट रखा है।

फटा कपड़ा हमारी संस्कृति का हिस्सा नहीं : तीरथ

» बयान पर कायम हूं, पूर्व सीएम ने दोहराई अपनी बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। फटी जींस वाले बयान पर काफी आलोचना झेलने वाले गढ़वाल सांसद व पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत अपने पुराने बयान पर कायम हैं। उनका कहना है कि फटा हुआ कपड़ा कभी भी हमारी संस्कृति का हिस्सा नहीं रहा है। उन्होंने जींस का विरोध नहीं किया था, बल्कि फटी जींस पर एतराज किया था। मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए तीरथ सिंह रावत ने मार्च 2021 में बाल संरक्षण अधिकार आयोग की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में बयान दिया था कि आजकल के बच्चे बाजार में घुटनों पर फटी जींस खरीदने जाते हैं।

श्रीनगर में एक कार्यक्रम में रावत ने एक बार फिर फटी जींस का मसला उठाया। उन्होंने कहा कि विदेशी लोग हमारी संस्कृति को अपना रहे हैं और हम पाश्चात्य संस्कृति का अंधा अनुकरण करते हुए फटी जींस पहन रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह फटी जींस संबंधी अपने पुराने बयान पर कायम हैं। सोशल मीडिया पर उन्हें समर्थन में संदेश मिले। उन्होंने कहा कि जब हम स्कूल-कॉलेज जाते थे, तो हम भी जींस पहनते थे। यदि कभी घुटना फट गया, तो उस पर पैच लगाते थे।

बृजेश पाठक ने आगरा के अस्पतालों में मारे छापे

» डिस्चार्ज किए मरीज को फिर से भर्ती कराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के डिप्टी सीएम स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर सजग है। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कल देर शाम मथुरा से लौटते समय आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी का निरीक्षण किया। बाहर बैठे मरीजों और तीमारदारों से बातचीत की। जगदीशपुरा निवासी मरीज महेश शर्मा ने अपने पैर में सूजन दिखाते हुए बताया कि उसे बृहस्पतिवार को भर्ती किया गया था और शुक्रवार को डिस्चार्ज कर दिया गया। अब उसे भर्ती नहीं किया जा रहा है, जबकि उसे आराम नहीं मिला है।

उपमुख्यमंत्री ने मरीजों को दोबारा भर्ती करवाया। उन्होंने मेडिकल कॉलेज में

व्यवस्थाएं सुधारने और सुविधाएं विकसित करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए। जगदीशपुरा के मरीज महेश शर्मा को भर्ती न करने का कारण पूछने पर इमरजेंसी मेडिसिन इंचार्ज डॉ. चंद्रप्रकाश ने बताया कि मरीज को क्रोनिक अल्कोहलिक लिवर डिजीज है। इसमें लंबे समय तक दवाएं लेनी होती है, मरीज घर पर दवाएं ले सकता है, इसलिए डिस्चार्ज कर दिया था। उन्होंने मरीज को फिर से भर्ती करा दिया। उपमुख्यमंत्री एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में उतरते ही बाहर बैठे एक व्यक्ति से पूछा कैसे बैठे हो। तीमारदार से पूछा कि मरीज का ठीक से इलाज हो रहा है, दवाएं मिल रही हैं, तीमारदार जवाब नहीं दे पाया था तो प्राचार्य ने बताया इलाज चल रहा है।

मरीजों से पूछा- इलाज मिल रहा है या नहीं

अस्पताल के बाहर खड़े तीमारदारों से पूछा कि मरीजों को इलाज मिल रहा है कि नहीं? तीमारदारों ने संतोषजनक जवाब दिया। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता के साथ इमरजेंसी के ट्राएज एरिया में पहुंचे। 17 मरीज भर्ती थे, उनके इलाज और दवाओं के बारे में पूछा। इमरजेंसी से बाहर सीवर का काम चल रहा था, प्राचार्य ने बताया कि सीवर की समस्या थी, उसका निस्तारण कराया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने व्यवस्थाएं सुधारने और एसएन में सुधार के लिए प्रस्ताव देने के लिए कहा। उपमुख्यमंत्री ने इमरजेंसी के निरीक्षण के दौरानकहा कि बुजुर्गों के लिए अलग काउंटर होना चाहिए।

भारतीय किसान यूनियन में बगावत

» यूनियन में एक और फाड़, राजेश सिंह चौहान नए गुट के अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। किसानों के बड़े नेता स्वर्गीय महेंद्र सिंह टिकैत की 11वीं पुण्य तिथि पर भारतीय किसान यूनियन की बैठक में उनके परिवार को बड़ा झटका मिला है। किसानों का पार्टी में एक और फाड़ हो गया है। लखनऊ में आयोजित बैठक में भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक का गठन किया गया है। इनका दावा है कि यह ही असली भारतीय किसान यूनियन है और हमने नरेश टिकैत को अध्यक्ष पद से हटाने के साथ ही राकेश टिकैत को प्रवक्ता पद से हटाने के साथ ही साथ फतेहपुर के राजेश सिंह चौहान को नया अध्यक्ष चुना है।

भारतीय किसान यूनियन में अब बड़ा बवाल के साथ बगावत भी शुरू हो गई है। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के पहले से ही कार्यरत होने पर नवगठित इकाई के अध्यक्ष राजेश सिंह चौहान ने कहा कि वह लोग पंजीकृत नहीं हैं, जबकि हम लोग भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक को पंजीकृत करा चुके हैं। इस मौके पर राजेश सिंह चौहान ने कहा कि राकेश टिकैत तथा नरेश टिकैत राजनीति से प्रेरित हैं। हम किसी राजनीतिक दल से नहीं जुड़ेंगे। हम महेंद्र सिंह टिकैत के मार्ग पर चलने वाले है, हम अपने सिद्धांतों को विपरीत नहीं जाएंगे। राजेश सिंह चौहान ने कहा कि मैंने दोनों भाइयों को किसी भी राजनीतिक दलों से जुड़ने का विरोध किया था। हमने कहा था हम अराजनैतिक लोग हैं।

प्रदेश में हरियाली बढ़ाने को सरकार ने कसी कमर

किसान भी लगाएंगे पौधे

» पर्यावरण संरक्षण के साथ प्रदूषण पर भी लगेगा नियंत्रण

» कृषि विभाग ने पौधरोपण का तय किया लक्ष्य, कार्ययोजना तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सरकार ने प्रदेश में हरियाली बढ़ाने के लिए कमर कस ली है। इस काम में किसानों का भी सहयोग लिया जाएगा। इसके जरिए एक ओर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा वहीं दूसरी ओर प्रदूषण पर भी नियंत्रण लगेगा। इसके लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया गया है। कृषि विभाग ने सभी जिलों का पौधारोपण करने का लक्ष्य तय कर दिया है। विभाग व उसकी सहयोगी संस्थाएं 2.35 करोड़ पौधे लगाकर जमीन को हरा-भरा बनाएंगी। किसानों से भी 10-10 पौधे रोपित कराने का निर्देश दिया गया है।

अपर मुख्य सचिव कृषि डा. देवेश चतुर्वेदी ने 2022-23 के लिए पौधारोपण का लक्ष्य तय कर दिया है। उन्होंने कुलपति कृषि विश्वविद्यालयों व सभी मंडलीय संयुक्त कृषि निदेशकों को भेजे पत्र में लिखा है कि विभाग व उसकी सहयोगी संस्थाएं 2.35 करोड़ पौधे लगाएंगी। लक्ष्य को कृषि विभाग, मंडी परिषद, कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र व बीज विकास निगम के सहयोग से पूरा किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिया है कि जिलास्तर पर पौधारोपण करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए उसका प्रभागीय वन अधिकारी व जिलाधिकारी से अनुमोदन कराएं। इसमें विभागीय कार्यालय परिसर, कृषि प्रक्षेत्र व पंजीकृत किसानों को शामिल किया जाए। हर किसान से 10-10 पौधे रोपित कराएं और उनकी देखभाल भी किसानों को सौंपे। यह भी निर्देश है कि राजकीय भूमि व मृत पौधों के स्थान पर भी अभियान चलाया जाए। कार्य योजना 31 मई तक अनिवार्य रूप से भेजी जाए। गांवों में होने वाले पौधारोपण की जियो टैगिंग कराई जाए। कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति व निदेशक मंडी आदि नोडल अधिकारी नामित करेंगे। पौधारोपण के मंडलवार लक्ष्य में सबसे अधिक लखनऊ, दूसरे पर बरेली और तीसरे स्थान पर प्रयागराज मंडल है।

यहां इतना लक्ष्य

मंडल	-	पौधारोपण
मेरठ	-	937160
सहारनपुर	-	749300
आगरा	-	1177820
अलीगढ़	-	956280
मुरादाबाद	-	1353600
बरेली	-	1643600
प्रयागराज	-	1519840
वाराणसी	-	1144480
मीरजापुर	-	1222120
गोरखपुर	-	1178060
बस्ती	-	751520
आजमगढ़	-	910680
लखनऊ	-	3069160
अयोध्या	-	1396560
गोंडा	-	1395780
कानपुर	-	1403460
झांसी	-	1372640
चित्रकूट	-	1337940

शहरों में लगेंगे 35 लाख पौधे

प्रदेश सरकार इस साल शहरों में 35 लाख पौधे लगाएगी। इससे करीब 8,836 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में हरियाली लाने की योजना है। एक से सात जुलाई के बीच यह लक्ष्य पूरा किया जाएगा। नगर विकास विभाग ने सभी नगरीय निकायों को इसके आदेश भेज दिए। आदेश में कहा गया है कि मई माह में भूमि चिह्नित कर ली जाए। विभाग ने सभी नगर आयुक्तों एवं अधिशासी अधिकारियों को भेजे आदेश में कहा कि पौधारोपण के लिए ऐसी जगह चिह्नित की जाए जिन्हें पार्क, खेल के मैदान या ग्रीन बेल्ट के रूप में विकसित किया जा सके। जहां पौधारोपण होना है उनकी जियो फेंसिंग जरूर की जाए।

अयोध्या में बनेगी ढाई किमी लंबी सीता झील

» निर्माण प्रक्रिया तेज, सीएम की मंजूरी का इंतजार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। राम जन्मभूमि से सात किमी दूर नयाघाट से गुप्तारघाट के बीच प्रस्तावित सीता झील की निर्माण प्रक्रिया ने तेजी पकड़ ली है। अफीम कोठी के पास 14 कोसी परिक्रमा मार्ग के समानांतर इसका निर्माण जल्द प्रारंभ होगा। मुख्यमंत्री की विशेष रुचि के बाद लंबे समय से फाइलों में कैद यह परियोजना फिर चर्चा में है।

268 करोड़ रुपये की परियोजना को सरयू नहर खंड अंतिम रूप देकर मंजूरी के लिए शासन भेज चुका है। अब इसे मुख्यमंत्री से मंजूरी मिलनी है। अधिकारियों के मुताबिक, सीता झील की लंबाई दो किमी 660 मीटर एवं चौड़ाई तीन सौ मीटर होगी। इसे पांच मीटर गहराई तक खोदा जाएगा। लगभग 80 हेक्टेयर भूमि इसके लिए चिह्नित की गई है। इसमें लगभग 46 हेक्टेयर भूमि किसानों की एवं करीब 34 हेक्टेयर भूमि नजूल की है। पांच मीटर गहरी झील को पानी के लिए जमथरा स्थित गुरुद्वारा ब्रह्मकुंड के पास सरयू नदी से कनेक्ट किया जाएगा। खोदाई से पहले सरयू नहर खंड ने मिट्टी परीक्षण शुरू कर दिया है। झील की खोदाई से निकली मिट्टी का इस्तेमाल जमथरा के पास चल रहे बंधा निर्माण में होना है। लगभग एक किमी से अधिक लंबे बंधे का निर्माण सरयू नहर खंड करा रहा है। अधिशासी अभियंता जय सिंह ने बताया कि मिट्टी की परीक्षण रिपोर्ट के बाद जिलाधिकारी नितीश कुमार की अध्यक्षता में गठित कमेटी उसकी खोदाई की तारीख तय करेगी।

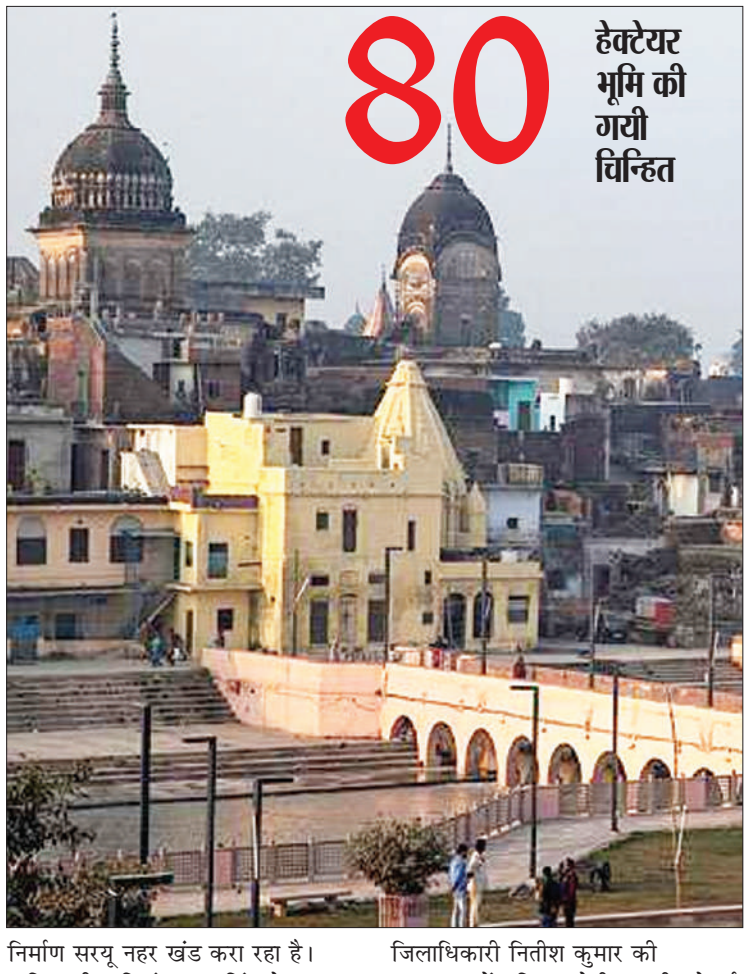

80 हेक्टेयर भूमि की गयी चिन्हित

पौराणिक कुंडों का हो रहा कायाकल्प

अयोध्या। रामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के साथ संपूर्ण रामनगरी को भी दिव्यता दी जा रही है। इसी क्रम में पौराणिक महत्व के उन कुंडों का भी कायाकल्प हो रहा है जो पहचान खोने की कगार पर थे। उदाहरण के तौर पर मणि पर्वत के पार्श्व में स्थित गणेश कुंड है। गणेश कुंड का वर्णन अयोध्या का इतिहास विवेचित करने वाले ग्रंथ रुद्रयामल में मिलता है और 1902 में एडवर्ड तीर्थ विवेचनी सभा की ओर से लगाए गए शिलालेख से भी इसकी प्रामाणिकता पुष्ट होती है। यद्यपि इस शिलालेख के अलावा गणेश कुंड की पहचान दशकों से एक गड्ढे तक सिमट कर रह गई थी, किंतु इस साल की शुरुआत के साथ गणेश कुंड के अच्छे दिन आ गए। सरकार ने गणेश कुंड के लिए दो करोड़ दो लाख 38 हजार की योजना स्वीकृत की है और पहली किश्त के रूप में 50 लाख की राशि अवमुक्त होने के साथ कार्य प्रगति पर है। सुंदरीकरण योजना के तहत छतरी, टायलेट ब्लाक, घाट-प्लेटफार्म, लाइटिंग, पेयजल के साथ जल शुद्धिकरण संयंत्र स्थापित किया जाएगा। सुंदरीकरण के इन्हीं प्रकल्पों के साथ रघुनाथदास जी की छावनी मार्ग पर स्थित हनुमान कुंड भी सज्जित किया जा रहा है। हनुमान कुंड के लिए एक करोड़ 45 लाख 44 हजार की योजना स्वीकृत है और प्रथम किस्त के रूप में 30 लाख की राशि अवमुक्त होने के साथ हनुमान कुंड का कायाकल्प भी युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। उपेक्षा के पर्याय गणेश कुंड एवं हनुमान कुंड को मिल रहा नया कलेवर इससे आने वाले दिनों में इनकी सूरत बदली दिखेगी।

राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक संपन्न

अयोध्या। राममंदिर निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक संपन्न हो गयी है। बैठक में शामिल होने के लिए मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र पिछले शुक्रवार की शाम अयोध्या पहुंचे थे और हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन किया। शनिवार व रविवार को उन्होंने दो दिनों तक राममंदिर निर्माण कार्य की समीक्षा की। मंदिर निर्माण कार्य की समीक्षा बैठक हर माह आयोजित की जाती है। इसी क्रम में मई माह की बैठक हुई। श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि दो दिनी बैठक में मंदिर निर्माण की प्रगति व भावी योजनाओं पर मंथन किया गया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अग्निकांडों से सबक कब?

सवाल यह है कि लगातार हो रहे अग्निकांडों से राज्य सरकारें सबक क्यों नहीं ले रही हैं? मुआवजे के ऐलान और जांच के आदेश की प्रवृत्ति से सरकारें कब बाहर आएंगी? क्या चंद रुपयों से मृतक के परिजनों का दुख कम किया जा सकता है? आखिर इन मौतों का जिम्मेदार कौन है? अग्निकांड से बचने के लिए जरूरी उपायों पर गौर कब किया जाएगा?

चौबीस घंटे के भीतर दिल्ली और पंजाब में दो बड़े अग्निकांड हुए। दिल्ली के मुंडका इलाके में चार मंजिला इमारत में लगी भीषण आग में 27 लोग जिंदा जल गए और एक दर्जन से अधिक झुलस गए हैं। कई अभी भी लापता हैं। वहीं पंजाब के अमृतसर स्थित गुरु नानक देव अस्पताल में भीषण आग लगी। हालांकि यहां जनहानि नहीं हुई है लेकिन अस्पताल को काफी नुकसान पहुंचा है। हर साल इस तरह की दुर्घटनाएं होती हैं। बावजूद इसके राज्य सरकारें हादसों को लेकर गंभीर नहीं हैं। सवाल यह है कि लगातार हो रहे अग्निकांडों से राज्य सरकारें सबक क्यों नहीं ले रही हैं? मुआवजे के ऐलान और जांच के आदेश की प्रवृत्ति से सरकारें कब बाहर आएंगी? क्या चंद रुपयों से मृतक के परिजनों का दुख कम किया जा सकता है? आखिर इन मौतों का जिम्मेदार कौन है? अग्निकांड से बचने के लिए जरूरी उपायों पर गौर कब किया जाएगा? बिना अग्नि सुरक्षा उपकरणों के बड़ी-बड़ी इमारतों को बनाने की मंजूरी क्यों दी जा रही है? इन व्यावसायिक इमारतों और कार्यालयों की नियमित जांच क्यों नहीं की जाती है?

अग्निकांड को लेकर राज्य सरकारें गंभीर नहीं हैं। हालत यह है कि सरकारी और निजी अस्पतालों से लेकर बड़े-बड़े व्यावसायिक इमारतों और होटलों में अग्नि सुरक्षा उपकरण नदारद हैं। यही नहीं ऐसे सार्वजनिक स्थलों पर आग का ध्यान रखते हुए दो निकासी द्वार की व्यवस्था का प्रावधान है लेकिन इसका पालन नहीं किया जा रहा है। ऐसे में जब आग लगती है तो काफी संख्या में लोगों की मौतें हो जाती हैं। यह स्थिति तब है जब बिना अग्नि उपकरणों के ऐसी इमारतों को अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी नहीं करने का प्रावधान है। हकीकत यह है कि उत्तर प्रदेश समेत देश के अधिकांश अस्पतालों, होटलों और व्यावसायिक इमारतों में आग से सुरक्षा की कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं है। जून 2018 में लखनऊ के दो होटलों में लगी आग की चपेट में आकर पांच लोगों की मौत हो गयी थी। वहीं केजीएमयू जैसे बड़े सरकारी अस्पताल में कई बार आग लग चुकी है। अधिकांश स्थानों पर अग्नि से सुरक्षा के नाम पर खानापूर्ति की जाती है। अधिकांश संस्थानों में अग्नि सुरक्षा यंत्र एक्सपायरी हो चुके हैं। यही नहीं यहां तैनात अधिकांश कर्मचारियों को इन सुरक्षा यंत्रों के इस्तेमाल की जानकारी तक नहीं है। इसके कारण आग लगने के समय इसका उपयोग भी नहीं हो पाता है और हालात भयानक हो जाते हैं। जाहिर है यदि राज्य सरकारें अग्निकांडों पर नियंत्रण लगाना चाहती हैं तो उसे जरूरी प्रावधानों का कड़ाई से पालन कराना होगा। साथ ही अग्नि सुरक्षा के मानकों की नियमित जांच करानी होगी।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सहिष्णुता में ही लोकतंत्र की खूबसूरती

अनिल गुप्ता

यूं तो सत्ता के दंभ में विपक्षी आवाजों को दबाने का सिलसिला पूरी दुनिया में रहा है, लेकिन भारत में यह प्रवृत्ति घातक स्तर तक बढ़ी है। देश के कई राज्यों में प्रतिकार करने वाली आवाजों का दबाने का क्रम तेज हुआ है, जिसके लिये लोकतंत्र की रक्षा के लिये बने कानूनों का दुरुपयोग हुआ है। हमेशा से ऐसा नहीं था, कई प्रेरक व सुखद प्रसंग राजनेताओं के उदार व्यवहार के सामने आते हैं। वर्ष 1996 में स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के तेरह दिन बाद सरकार बनाने से पीछे हटने की घोषणा की थी। तब उन्होंने कहा था कि सत्ता का खेल तो चलेगा, सरकारें आएंगी जाएंगी, पार्टियां बनेंगी बिगडेंगी, यह देश रहना चाहिए... इस देश का लोकतंत्र अमर रहना चाहिए।

विपक्षी दलों व सचेतक आवाजों के दमन का बड़ा उदाहरण 1975 में सामने आया था जब लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन करके देश में आपातकाल लागू किया गया था। विपक्षी नेता जेल में डाल दिये गये थे। हाल ही में गुजरात के विधायक जिग्नेश मेवाणी को विवादित टिप्पणी के मामले में जमानत देते समय बारपेटा, असम के सत्र न्यायाधीश ने कहा कि इतनी मुश्किलों से अर्जित लोकतंत्र को पुलिस राज में बदलने की बात सोची भी नहीं जा सकती। पंजाब में आप सरकार द्वारा सत्ता ग्रहण करने के बाद पुलिस के जरिये कुमार विश्वास, अलका लांबा, तजिन्द्र बग्गा के खिलाफ कार्रवाई कदापि न्यायोचित नहीं है। वहीं महाराष्ट्र सरकार द्वारा राजनीतिक दुराग्रह से सांसद नवनीत राणा एवं उनके विधायक पति पर राजद्रोह के साथ-साथ अन्य धाराएं भी लगा दी गयीं जो लोकतांत्रिक परम्पराओं के खिलाफ है। दरअसल, सत्ता ने नेताओं को असहिष्णु बना दिया है। वर्ष 2001 में जयललिता के इशारे पर पुलिस द्रमुक के नेता करुणानिधि को रात के 2 बजे उठाकर ले गई और अमानवीय व्यवहार किया गया। आजादी के बाद के कुछ दशकों में पक्ष व विपक्ष के संबंध सहिष्णुता व सद्व्यवहार के रहे। तब विपक्ष की स्वस्थ आलोचना का सम्मान किया जाता था। 1957 में जब अटल बिहारी वाजपेयी लोकसभा पहुंचे तो उस समय जनसंघ के कुल तीन सदस्य थे। तब पं. जवाहर लाल नेहरू पहले प्रधानमंत्री थे। अटल बिहारी वाजपेयी अपनी वाकपटुता व विदेश नीति के ज्ञान के चलते सरकार की कटु आलोचना करते

थे। जवाहर लाल नेहरू इस 32 वर्ष के युवा सांसद से इतने प्रभवित थे कि उन्होंने लोक सभा में यह कह दिया था कि एक दिन यह युवा सांसद देश का प्रधानमंत्री बनेगा। सबसे छोटी पार्टी जो अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही थी, उसका सत्ता में आना व उसका नेता प्रधानमंत्री होना किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था। 1948 में महात्मा गांधी की हत्या के बाद संघ पर प्रतिबंध लगाने वाले जवाहरलाल नेहरू ने 1962 के भारत-चीन युद्ध में आरएसएस द्वारा सैनिकों को राहत सामग्री, हथियार व अन्य सामान आदि पहुंचाने की बात का मान रखते हुए 26 जनवरी, 1963 की गणतंत्र दिवस परेड में 3 हजार स्वयंसेवकों को पूर्ण गणवेश में शामिल होने का मौका दिया। वर्ष 1965 में जब पाकिस्तान ने भारत पर आक्रमण किया तो प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री ने सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस सभा में संघ को राष्ट्रीय संगठन मानते हुए इसके प्रमुख माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर को बुलाया गया। 1971 की लड़ाई में जब राजनीतिक दल इंदिरा गांधी का विरोध कर रहे थे तो जनसंघ ने कहा था कि प्रत्येक भारतीय का दायित्व बनता है कि संकट की घड़ी में सभी प्रधानमंत्री का साथ दें। 1971 की लड़ाई जीतने के बाद लोक सभा में वाजपेयी ने इंदिरा को दुर्गा कहा था। वर्ष 1977 में वाजपेयी विदेश मंत्री बने तो वह जब पहली बार अपने साऊथ ब्लॉक ऑफिस गए तो उन्होंने देखा कि गलियारे में लगी जवाहर लाल नेहरू की फोटो गायब थी। वाजपेयी ने तुरंत अधिकारियों को बुलाया और निर्देश दिया कि जवाहर लाल नेहरू की फोटो वहीं पर लगाई जाए। वाजपेयी ने 1991 में कहा कि आज जो मेरी जिंदगी है, उसका श्रेय राजीव गांधी को जाता है। उन्होंने बताया कि जब राजीव को पता चला कि मुझे किडनी की समस्या है व इसका इलाज भारत में नहीं है तो उन्होंने मुझे बुलाकर कहा 'न्यूयार्क एक प्रतिनिधिमंडल जा रहा है, आप उसका हिस्सा बनिये व आपका इलाज अमेरिका में अच्छा हो सकता है। सरकार आपके इलाज की पूरी व्यवस्था करेगी।' 16 मई, 1996 को वाजपेयी ने जब शपथ ली थी तो पीवी नरसिम्हा राव, एपीजे अब्दुल कमाल एवं पी चिदम्बरम को लेकर वाजपेयी को मिले थे। 1996 में जब पाकिस्तान ने यूएन में कश्मीर के मुद्दे को उठाया तो भारत का पक्ष रखने के लिए एक सशक्त नेता चाहिए था तो पीवी नरसिम्हा राव ने राष्ट्रीय हित में वाजपेयी को भेजा। वाजपेयी ने यूएन में भारत को संकट की घड़ी से निकाला। पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व कर रहीं बेनजीर भुट्टो ने कहा था कि भारत का लोकतंत्र अनूठा है, जहां विपक्ष का नेता सभी मतभेदों को भुलाकर सरकार का पक्ष रखने के लिए दिलो-जान से खड़ा है।

घरेलू उत्पादन बढ़ने से ही आत्मनिर्भरता

जयंतीलाल भंडारी

11 मई को वाणिज्य विभाग द्वारा आयात में हो रही लगातार वृद्धि के मद्देनजर आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम के तहत उत्पादों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के तरीकों के संबंध में विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों के साथ विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में ऐसे प्राथमिकता वाले उत्पादों की पहचान की गई है, जिनके आयात में पिछले कुछ महीनों में तेज इजाफा हुआ है। इन उत्पादों में प्रमुखतया विद्युत उपकरण, धातुएं, रसायन, पेट्रोलियम उत्पाद, कीमती और अर्ध-कीमती रत्न, बैटरी, प्लास्टिक और वस्त्र शामिल हैं। ये ऐसे उत्पाद हैं, जिनके उत्पादन को बढ़ावा देकर आयात में कमी की जा सकती है और निर्यात में वृद्धि की जा सकती है।

हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय द्वारा प्रकाशित विदेशी व्यापार के आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान देश का व्यापार घाटा चिंताजनक रूप से बढ़कर अब तक का सर्वाधिक 192 अरब डॉलर रहा है। जहां पिछले वित्त वर्ष में भारत का उत्पाद निर्यात पहली बार 40 फीसदी की वृद्धि के साथ करीब 418 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, वहीं भारत का उत्पाद आयात पिछले वित्त वर्ष में 610 अरब डॉलर की रिकॉर्ड ऊंचाई पर रहा जो पूर्ववर्ती वित्त वर्ष 2020-21 के 394.44 अरब डॉलर की तुलना में 54.71 प्रतिशत बढ़ा है। ऐसे बढ़े हुए व्यापार घाटे के कारण देश में आर्थिक-वित्तीय मुश्किलें बढ़ गई हैं। एक ऐसे समय में जब पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का उत्पाद निर्यात 400 अरब डॉलर के लक्ष्य को पार करते हुए 418 अरब डॉलर के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है तब व्यापार घाटा बढ़ना चुनौतीपूर्ण है। अतएव ऐसे में घरेलू उत्पादन बढ़ाकर आयात में कमी व निर्यात में वृद्धि जरूरी है। भारत के तेजी से बढ़ते निर्यातों का ग्राफ इस बात का प्रतीक है कि भारतीय उत्पादों की मांग दुनियाभर में बढ़ रही है। यदि हम उत्पाद निर्यात के नए आंकड़ों का विश्लेषण करें तो पाते हैं कि खासतौर पर पेट्रोलियम उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, इंजीनियरिंग उत्पाद, चमड़ा, कॉफी, प्लास्टिक, रेडीमेड परिधान, मांस एवं दुग्ध उत्पाद, समुद्री उत्पाद और तंबाकू की निर्यात वृद्धि में अहम भूमिका रही है। साथ ही उच्च इंजीनियरिंग निर्यातों, परिधान और वस्त्र निर्यात आदि से संकेत मिलते हैं कि यह धारणा धीरे-धीरे बदल रही है कि भारत प्राथमिक जिंसों का ही बड़ा निर्यातक है। अब भारत द्वारा अधिक से अधिक मूल्यवर्धित और उच्च गुणवत्ता वाले सामानों का निर्यात भी किया जा रहा है।

नि:संदेह देश में आयात-निर्यात से संबंधित प्रमुख उत्पादों का उत्पादन बढ़ाकर और निर्यात अनुकूलताओं का लाभ लेकर निर्यात में वृद्धि की जा सकती है। इस समय देश की निर्यात अनुकूलताओं में कई बातें शामिल हैं। देश में कॉर्पोरेट कर दर को घटाया गया है। कई अहम क्षेत्रों में पीएलआई योजनाओं ने पहली बार कच्चे माल के बजाय उत्पादन को बढ़ावा दिया है। श्रम कानूनों को सरल किया गया है। एमएसएमई की परिभाषा को सुधारा गया है ताकि कई मध्यम आकार की इकाइयों को भी एमएसएमई का लाभ मिले। इन कदमों से घरेलू उद्योग का आकार बढ़ाने में मदद मिली और विदेशी व्यापार व निर्यात भी बढ़े। ढांचागत व्यवस्था में किए गए सुधार से भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला से जुड़ने में मदद मिली और भारत में सामान बनाने वाले निर्यातकों के लिए सस्ते श्रम की तलाश में देश के दूरदराज के भागों तक पहुंचने में सरलता हुई है। दुनियाभर में तेजी से बदलती हुई यह धारणा भी लाभप्रद रही है कि भारत उत्पाद निर्यात के लिहाज से एक बढ़िया प्लेटफॉर्म है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि देश से बढ़ते व्यापार घाटे को कम करने के लिए आयात से संबंधित प्रमुख उत्पादों के घरेलू उत्पादन बढ़ाकर चीन से व्यापार घाटा कम किया जा सकता है। वर्ष 2019 और 2020 में चीन से तनाव के कारण देशभर में चीनी सामान का जोरदार बहिष्कार दिखाई दिया था। स्थानीय उत्पादों के उपयोग की लहर का जोरदार असर था। ऐसे में भारत में चीन से होने वाले आयात में बड़ी गिरावट आने लगी थी लेकिन वर्ष 2021-22 में चीन से विदेश व्यापार घाटा तेजी से बढ़ा है। ऐसे में चीन से आयात किए जाने वाले घरेलू उत्पादों के निर्माण को विशेष प्रोत्साहन देकर चीन से आयात को नियंत्रित किया जा सकता है।

यह जरूरी है कि घरेलू उत्पादन वृद्धि और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन के साथ आत्मनिर्भर भारत अभियान को तेजी से आगे बढ़ाकर व्यापार घाटे में कमी की जाए। देश में अभी भी दवाई उद्योग, मोबाइल उद्योग, चिकित्सा उपकरण उद्योग, वाहन उद्योग तथा इलेक्ट्रिक जैसे कई उद्योग बहुत कुछ चीन से आयातित माल पर आधारित हैं। ऐसे में चीन के कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए पिछले डेढ़ वर्ष में सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत 13 उद्योगों को करीब दो लाख करोड़ रुपए आवंटन के साथ प्रोत्साहन सुनिश्चित किए हैं, उनके पूर्ण उपयोग पर रणनीतिक रूप से आगे बढ़ना होगा। रक्षा सामग्रियों के आयात पर बड़ा खर्च होता है, अतएव देश में रक्षा निर्माण सेक्टर में आत्मनिर्भरता और रक्षा निर्यात को बढ़ाने के अधिक प्रयास जरूरी हैं। देश में वैश्विक जरूरतों के अनुरूप घरेलू उत्पाद बढ़ाकर नए चिन्हित देशों में उत्पाद निर्यात बढ़ाने के साथ-साथ सेवा निर्यात भी तेजी से बढ़ाना जरूरी है। यद्यपि सेवा निर्यात 250 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गया है, लेकिन डब्ल्यूटीओ के अनुमानों के विश्लेषण से संकेत मिलता है कि भारत की सेवा निर्यात वृद्धि कम है।

हनुमान जी के पूजन से पूरी होती है हर मनोकामना

हिन्दू धर्म के अनुसार मंगलवार का दिन हनुमानजी की आराधना के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। मान्यता है मंगलवार के दिन संकटमोचन हनुमान जी की पूरी श्रद्धा और विधि-विधान से पूजा पाठ करने से वे प्रसन्न होते हैं। ज्येष्ठ मास में पड़ने वाला प्रत्येक मंगल बड़ा मंगल या बुढ़वा मंगल कहलाता है। मान्यता है कि ज्येष्ठ मास में पड़ने वाले बड़े मंगल पर विधि विधान से हनुमानजी की पूजा अर्चना करने से साधक को प्रत्येक कष्ट और बाधा से मुक्ति मिलती है। ज्येष्ठ मास में पड़ने वाले ये मंगलवार काफी खास हैं। इसके पीछे एक पौराणिक कथा भी सुनने को मिलती है। कहते हैं कि वन में विचरण करते हुए श्री राम जी से हनुमान जी का मिलन विप्र (पुरोहित) के रूप में इसी दिन हुआ था। एक अन्य कथा के अनुसार महाभारत काल में जब भीम को अपने बल का घमंड हो गया था, तो हनुमान जी ने बूढ़े वानर का रूप रखकर भीम के घमंड को तोड़ा था इसलिए ज्येष्ठ मास के मंगलवार को बुढ़वा मंगल या बड़ा मंगल के नाम से जाना जाता है। आइए जानते हैं बड़ा मंगल कब से आरंभ हो रहे हैं।

कब है बड़ा मंगल

हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, दशरथनंदन श्री राम पहली बार हनुमान जी से ज्येष्ठ महीने के मंगलवार को ही मिले थे इसलिए इसे बड़ा मंगलवार के नाम से जाना जाता है। ज्येष्ठ माह का आरंभ 17 मई से है और समापन 14 जून को है। इस साल ज्येष्ठ महीने की खास बात यह है कि इसका प्रारंभ और समापन दोनों मंगलवार के दिन होगा। ज्येष्ठ मास में इस बार पांच बड़े मंगल मिलेंगे। इस वर्ष 17 मई, 24 मई, 31 मई, 7 जून और 14 जून को बड़े मंगल पड़ रहे हैं।

बड़ा मंगल

इस मंत्र का करें जाप

ज्येष्ठ मास में पड़ने वाले बड़े मंगलवार के दिन हनुमान जी को प्रसन्न करने और अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए नीचे लिखे मंत्र का तुलसी की माला से जाप करें। ये जाप कम से कम 5 माला होनी चाहिए। मंत्र इस प्रकार है- राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे। सहस्त्र नाम तत्तुल्यं राम नाम वरानने।।

महत्व

बड़े मंगल या बुढ़वा मंगल को हनुमान जी की पूजा अर्चना और व्रत आदि का विशेष महत्व है। इस दिन लोगों को दान करना चाहिए। प्रेत बाधा, दुखों और कष्टों से निवारण के लिए हनुमान जी के बजरंग बाण का पाठ करना चाहिए। हनुमान चालीसा का नियमित पाठ करने से मनुष्य के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। ज्येष्ठ मास में पड़ने वाले बड़े मंगलवार को कई मंदिरों में भंडारे भी करवाए जाते हैं। मान्यता है कि इस माह के मंगलवारों को जो भक्त बजरंगबली की पूजा और व्रत करता है, उसके जीवन की नकारात्मक दूर होने के साथ ही सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

पूजन विधि

- बड़े मंगलवार के दिन ब्रह्ममुहूर्त में ही स्नानादि से निवृत्त हो जाएं।
- इसके उपरांत हनुमानजी को लाल रंग का चोला चढ़ाएं।
- चोला चढ़ाते समय हनुमान जी के समक्ष चमेली के तेल का दीपक जलाएं।
- इसके उपरांत उनको गुलाब की माला अर्पित करें।
- हनुमान जी की मूर्ति के दोनों कंधों पर थोड़ा-थोड़ा केवड़े का इत्र लगाएं।
- इसके बाद पान के पत्ते पर जरा सा गुड़ और चना रखकर बजरंगबली को भोग लगाएं।

धन लाभ के लिए करें ये उपाय

बड़े मंगलवार के दिन स्नान आदि से निवृत होने के पश्चात बड़ के पेड़ का एक पत्ता तोड़कर उसे पानी से साफ कर हनुमान जी के समक्ष रखें। इसके बाद केसर से उस पत्ते पर श्रीराम लिखें और अपने पर्स में रख लें। ऐसा करने से आपको कभी भी धन कमी नहीं होगी।

हंसना मना है

बैंक मैनेजर: कैश खत्म हो गया है कल आना मोनू: लेकिन मुझे मेरे पैसे अभी चाहिए। मैनेजर: देखिए आप गुस्सा मत करिए, शांति से बात कीजिए मोनू: ठीक है बुलाओ शांति को, आज तो मैं उसी से बात करूंगा।

टिंकू दुखी था। किसी ने पूछा-क्यों टेंशन मे हो? टिंकू: यार एक दोस्त को प्लास्टिक सर्जरी के लिए 2 लाख दिए, अब उसे पहचान नहीं पा रहा हूं।

टिल्लू: पापा मुझे एक लड़की पसंद है, मैं उससे शादी करना चाहता हूं.. पापा: क्या वो भी तुझे पसन्द करती है? टिल्लू: हां जी हां.. पापा: जिस लड़की की पसन्द ऐसी हो मैं उसे अपनी बहू नहीं बना सकता।

एक बुढ़िया अम्मा को एक भिखारी मंदिर के बाहर मिला... भिखारी: भगवान के नाम पर कुछ दे दो मां जी, चार दिन से कुछ नहीं खाया। बुढ़िया अम्मा 500 का नोट निकालते हुए बोली: 400 खुले हैं? भिखारी: हां हैं मां जी बुढ़िया अम्मा: तो उससे कुछ लेकर खा लेना!

टीचर: एक टोकरी में 10 आम हैं , उसमें से 2 आम सड़ गए, बताओ कितने आम बचे? मौंटी:सर, 10 आम। टीचर: वो कैसे? मौंटी: सड़ने के बाद भी आम तो आम ही रहेंगे ना, केले तो बन नहीं जायेंगे। आज मौंटी एक वकील है।

वोटर: यह जो आप उंगली पे स्याही लगाते हो। ये कितने दिन में निकलेगी? मतदान अधिकारी: करीब 4 महीने में। वोटर (सिर आगे करते हुए): यार मेरे सिर में लगा दे। डाई सिर्फ 15 दिन ही चलती है।

कहानी — बंदर का हृदय

किसी नदी के तट पर एक वन था। उस वन में एक बंदर निवास करता था जो वन के फल आदि खा कर अपना निर्वाह करता था। नदी में एक टापू भी था और टापू और तट के बीच में एक बड़ी सी चट्टान भी थी। जब कभी बंदर को टापू के फल खाने की इच्छा होती वह उस चट्टान से उस टापू पर पहुंच जाता और जी भर अपने मनचाहे फलों का आनंद उठाता। उसी नदी में घड़ियाल की एक जोड़ी भी रहती थी। जब भी वह उस हृष्ट-पुष्ट बंदर को मीठे-रसीले फलों का आनंद उठाते देखती तो उसके मन में उस बंदर के हृदय को खाने की तीव्र इच्छा उठती। एक दिन उसने नर घड़ियाल से कहा, प्रिय ! अगर तुम मुझसे प्रेम करते हो तो मुझे उसका हृदय खिलाकर दिखा दो। नर घड़ियाल ने उसकी बात मान ली। दूसरे दिन बंदर जैसे ही टापू पर पहुंचा नर-घड़ियाल टापू और तट के बीच के चट्टान के निचले हिस्से पर चिपक गया। बंदर एक बुद्धिमान प्राणी था । शाम के समय जब वह लौटने लगा और तट और टापू के बीच के चट्टान को देखा तो उसे चट्टान की आकृति में कुछ परिवर्तन दिखाई पड़ा । उसने तत्काल समझ लिया कि जरुर कुछ गड़बड़ है । तथ्य का पता लगाने के लिए उसने चट्टान को नमस्कार करते हुए कहा, हे चट्टान मित्र ! आज तुम शांत कैसे हो ? मेरा अभिवादन भी स्वीकार नहीं कर रही हो ? घड़ियाल ने समझा, शायद चट्टान और बंदर हमेशा बात करते रहते हैं इसलिए उसने स्वर बदल कर बंदर के नमस्कार का प्रत्युत्तर दे डाला । बंदर की आशंका सत्य निकली । बंदर टापू में ही रुक तो सकता था मगर टापू में उसके निर्वाह के लिए पर्याप्त आहार उपलब्ध नहीं था। जीविका के लिए उसका वापस वन लौटना अनिवार्य था। अत: अपनी परेशानी का निदान ढूंढते हुए उसने घड़ियाल से कहा, मित्र! चट्टान तो कभी बातें नहीं करती ! तुम कौन हो और क्या चाहते हो? दम्भी घड़ियाल तब उसके सामने प्रकट हो कहा, ओ बंदर ! मैं एक घड़ियाल हूं और तुम्हारा हृदय अपनी पत्नी को खिलाना चाहता हूं । तभी बंदर को एक युक्ति सूझी । उसने कहा, हे घड़ियाल ! बस इतनी सी बात है तो तुम तत्काल अपना मुख खोल दो, मैं सहर्ष ही अपने नश्वर शरीर को तुम्हें अर्पित करता हूं। बंदर ने ऐसा इसलिए कहा कि वह जानता था कि जब घड़ियाल मुख खोलते हैं तो उनकी आंखें बंद हो जाती हैं। फिर जैसे ही घड़ियाल ने अपना मुख खोला, बंदर ने तेजी से एक छलांग उसके सिर पर मारी और दूसरी छलांग में नदी के तट पर जा पहुंचा। इस प्रकार अपनी सूझ-बूझ और बुद्धिमानी से बंदर ने अपने प्राण बचा लिए ।

6 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — अपने शरीर की थकान मिटाने और ऊर्जा-स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूरे आराम की जरूरत है, नहीं तो शरीर की थकावट आपके मन में निराशावादिता को जन्म दे सकती है।

वृषभ — आज आपका दिन बहुत ही बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको अचानक से कुछ ऐसा हासिल हो सकता है जिसकी आपको बहुत दिनों से तलाश थी। आज पूरे दिन आप नयी उर्जा से भरे रहेंगे।

मिथुन — प्यार, उम्मीद, सहानुभूति, आशावादिता और निष्ठा जैसी सकारात्मक भावनाओं को अपनाने के लिए खुद को प्रोत्साहित करें। एक बार ये गुण आपके अंदर रच-बस जाएं तो हर हालात में वे खुद ही सकारात्मक तरीके से उभर आएंगे।

कर्क — आज आपका दिन समान्य बना रहेगा. किसी अनजान व्यक्ति पर उम्मीद से ज्यादा भरोसा आपको नुकसान पहुचा सकता है। छात्रों को पढ़ाई में आज और ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

सिंह — जल्दबाजी में फैसले न लें- खासतौर पर अहम आर्थिक सौदों में मोलभाव करते वक्त। अगर आप दफ्तर में अतिरिक्त समय लगाएंगे तो आपकी घरेलू जिंदगी पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

कन्या — आज आपका दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आज समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। सामाजिक कार्य का हिस्सा बन सकते हैं। ऑफिस में आपके जूनियर आपसे काम सीखना चाहेंगे।

तुला — रियल एस्टेट संबंधी निवेश आपको अच्छा-खासा मुनाफा देंगे। बच्चे आपको घरेलू काम-काज निबटाने में मदद करेंगे। आप अपने प्रिय की बांहों में आराम महसूस करेंगे।

वृश्चिक — आज आपका दिन अच्छा गुजरेगा। आज छोटी-छोटी बातों में खुशी तलाश कर पायेंगे। मन शांत रहेगा। जमीन-जायदाद के मामलों आज फैसला आपके पक्ष में आयेगा।

धनु — अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। रिश्तेदारों से अचानक तोहफा मिल सकता है लेकिन पूरी संभावना है कि वे इसके बदले में आपसे कुछ चाहते हों।

मकर — आज आपको कार्यक्षेत्र में पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। भावनात्मक संतुलन बनाने की कोशिश में सफल रहेंगे। जो लोग सोने या चांदी के व्यापार से जुड़े हैं उन्हें सतर्कता बरतने की जरुरत है।

कुम्भ — आर्थिक तौर पर सुधार तय है। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहां आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। आज जीवन से रोमांटिक पहलू ओझल-सा रहेगा।

मीन — आज आपका दिन अच्छा गुजरेगा। धन संबंधी दिक्कतों का आज आप आसानी से हल निकाल लेंगे। उधार दिये हुये पैसे आज आपको वापस मिल सकते हैं।

बॉलीवुड | तैयारी

चकड़ा एक्सप्रेस को लेकर सुर्खियों में अनुष्का शर्मा

अपनी जबरदस्त एक्टिंग के दम पर बॉलीवुड में खास मुकाम हासिल करने वाली अभिनेत्री अनुष्का शर्मा अपनी फिल्म चकड़ा एक्सप्रेस को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इन दिनों वो अपनी अपकमिंग फिल्म की तैयारियां में जुटी हुई हैं। अब उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें भीषण गर्मी में गेंदबाजी का अभ्यास करती हुई नजर आ रही हैं। इस वीडियो को अनुष्का शर्मा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस ग्राउंड में बैठी हुई दिख रही हैं। इस वीडियो पर उन्होंने एक स्टिगर भी साझा किया है। जिस पर लिखा, बिल्कुल भी गर्म नहीं है। चकड़ा एक्सप्रेस में विश्व क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज महिला गेंदबाजों में शामिल झूलन गोस्वामी की शानदार जर्नी को दिखाया जाएगा, जो अनगिनत बाधाओं के बावजूद सफलता की सीढ़ियां चढ़ने में कामयाब होती है। हाल ही में एक न्यूज एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि अभिनेत्री ने तेज गेंदबाज को करीब से फॉलो करना और वर्कआउट करना शुरू कर दिया है। जिससे वो झूलन जैसा शरीर पा सकें और उनकी एक्टिविटी को सीख सकें। अनुष्का शर्मा चकड़ा एक्सप्रेस की शूटिंग के लिए क्रिकेट के मक्का यानी लॉर्ड्स और ब्रिटेन के हेडिंग्ले स्टेडियम जाएंगी, जहां वो फिल्म के महत्वपूर्ण हिस्से की शूटिंग को फिल्माएंगी। वहीं, अभिनेत्री भारत के भी एक चर्चित स्टेडियम में शूटिंग कर सकती हैं। अनुष्का को आखिरी बार साल, 2018 में रिलीज हुई शाह रुख खान की फिल्म जीरों में देखा गया था। इस फिल्म में उन्होंने नासा की वैज्ञानिक आफिया का किरदार निभाया है। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग से थोड़ा ब्रेक ले लिया था।

रणवीर सिंह की जयेशभाई जोरदार पहले दिन ही हुई ढेर

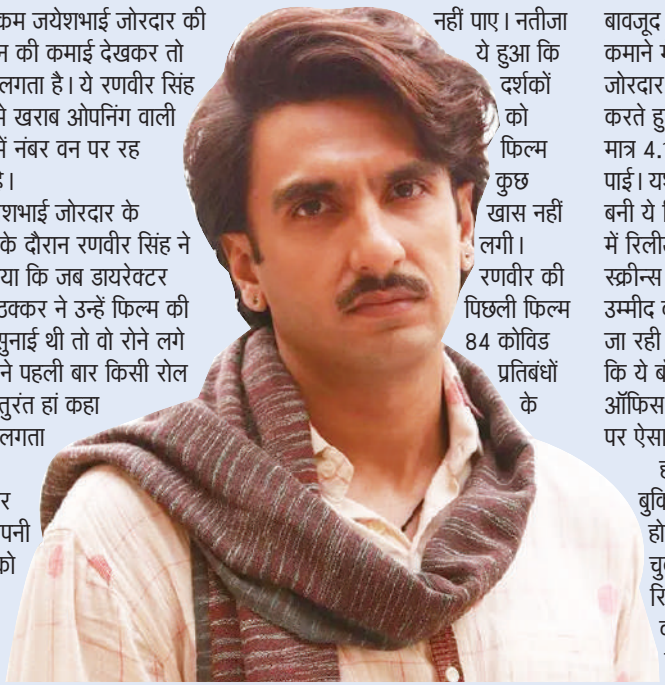

रणवीर सिंह की जयेशभाई जोरदार सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। रणवीर सिंह ब्रांड बाजार में हिन्दी सिनेमा के सबसे महंगे और सबसे ज्यादा कमाई करने वाले स्टार हैं। इनके होने मात्र से ही फिल्म के हिट होने की गारंटी होती है पर हर बार ऐसा हो जरूरी नहीं है। कम से कम जयेशभाई जोरदार की पहले दिन की कमाई देखकर तो ऐसी ही लगता है। ये रणवीर सिंह की सबसे खराब ओपनिंग वाली फिल्मों में नंबर वन पर रह सकती है।

जयेशभाई जोरदार के प्रमोशन के दौरान रणवीर सिंह ने खुद बताया कि जब डायरेक्टर दिव्यांग ठक्कर ने उन्हें फिल्म की कहानी सुनाई थी तो वो रोने लगे थे। उन्होंने पहली बार किसी रोल के लिए तुरंत हां कहा था। पर लगता है कि डायरेक्टर साहब अपनी कहानी को पर्दे पर सही से उतार नहीं पाए। नतीजा ये हुआ कि दर्शकों को फिल्म कुछ खास नहीं लगी। रणवीर की पिछली फिल्म 84 कोविड प्रतिबंधों के बावजूद पहले दिन 12.68 करोड़ कमाने में सफल रही थी पर जयेशभाई जोरदार काफी निराशाजनक प्रदर्शन करते हुए पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर मात्र 4.10 करोड़ का ही बिजनेस कर पाई। यश राज फिल्म्स के बैनर तले बनी ये फिल्म 13 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसे देशभर में 2250 स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया। उम्मीद की जा रही थी कि ये बॉक्स ऑफिस पर कुछ बड़ा धमाका करेगी, पर ऐसा हुआ नहीं।

बॉलीवुड | मसाला

हालांकि फिल्म की एडवांस बुकिंग को देखते हुए इसके फुस्स होने का अंदाजा पहले ही लग चुका था। साथ ही मिले जुले रिव्यू ने दर्शकों की फिल्म देखने की चाहत पर ठंडा पानी डाल दिया। करीब 60 करोड़ की लागत से बनी और रिलीज हुई इस फिल्म की पहले दिन की ओपनिंग इसकी लागत की 10 फीसदी भी नहीं है। आमतौर पर माना यही जाता है कि किसी फिल्म की ओपनिंग अगर उसकी कुल लागत (मेकिंग और प्रमोशन मिलाकर) की 20 फीसदी के करीब होती है तो वह फिल्म पहले हफ्ते में अपनी लागत निकाल सकती है। तो वहीं 10 फीसदी की ओपनिंग वाली फिल्म को औसत माना जाता है। अब आप खुद ही अंदाजा लगा सकते हैं कि 10 फीसदी से कम कमाने वाली फिल्म के फ्लॉप होने की संभावना होती है। अगर ये कहा जाए कि जयेशभाई जोरदार रणवीर सिंह की सबसे फ्लॉप फिल्मों में से एक हो सकती है तो ये गलत नहीं होगा।

वरुण धवन और कियारा आडवाणी ने शुरू किया जुग-जुग जियो का प्रमोशन

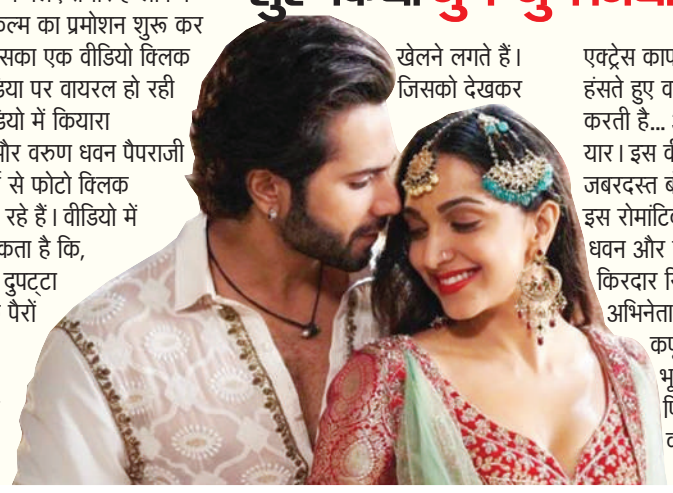

वरुण धवन और कियारा आडवाणी अभिनीत फिल्म जुग-जुग जियो अगले महीने रिलीज होने के लिए तैयार है लेकिन मेकर्स ने फिल्म का प्रमोशन शुरू कर दिया है, जिसका एक वीडियो क्लिक सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इस वीडियो में कियारा आडवाणी और वरुण धवन पैपराजी फोटोग्राफर्स से फोटो क्लिक कराते दिख रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि, कियारा का दुपट्टा अभिनेता के पैरों के बीच दब जाता है, जिसके बाद वो उससे खेलने लगते हैं। जिसको देखकर एक्ट्रेस काफी हैरान हो जाती हैं और हंसते हुए वरुण को ऐसा करने से मना करती है... और कहती हैं, बस कर यार। इस वीडियो में दोनों की जबरदस्त बॉन्डिंग दिख रही है। इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म में वरुण धवन और कियारा आडवाणी लीड किरदार निभा रहे हैं। तो वहीं अभिनेता अनिल कपूर और नीतू कपूर वरुण के माता-पिता की भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए अनिल कपूर और नीतू कपूर पहली बार एक-दूसरे के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने वाले हैं। राज मेहता द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वरुण धवन और किराया आडवाणी लीड रोल प्ले कर रहे हैं। फिल्म में उनके अलावा नीतू कपूर, अनिल कपूर, मनीष पॉल और यूट्यूबर प्राजक्ता कोली भी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म से वो बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर रहे हैं। वरुण धवन और कियारा आडवाणी द्वारा अभिनीत फैमिली ड्रामा फिल्म 24 जून, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं बात अगर वरुण धवन के वर्कफ्रंट की करें तो वो जल्द ही अमर कौशिक की फिल्म भेड़िया में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वो अभिनेत्री कृति सेनन के साथ लीड रोल में नजर आने वाले हैं।

अजब-गजब | रिसर्च के बाद वैज्ञानिक भी हुए हैरान

400 साल पुराने इस मंदिर में आधी रात को मूर्तियां करती हैं चमत्कार

भारत मंदिरों का देश है और यहां कई ऐतिहासिक मंदिर हैं। कई मंदिरों में तो ऐसे चमत्कार देखने को मिलते हैं जो आम लोगों के लिए ही नहीं बल्कि वैज्ञानिकों के लिए भी हैरान कर देने वाले हैं। वैज्ञानिक भी इनके रहस्य आज तक नहीं सुलझा पाए हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही मंदिर के बारे में बता रहे हैं जो न केवल रहस्यमयी है बल्कि विज्ञान और वैज्ञानिकों के लिए भी आश्चर्य बना हुआ है।

400 साल पुराना है मंदिर

बिहार के बक्सर जिले में एक ऐसा मंदिर है, जिसके चमत्कार के सामने वैज्ञानिकों ने भी हाथ खड़े कर दिए हैं। इस मंदिर का नाम राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर है। कहा जाता है कि यहां की मूर्तियां आपसे बात करती हैं। जब वैज्ञानिकों ने इसकी खोज की तो उन्होंने भी इस बात से इनकार नहीं किया। यह मंदिर 400 वर्ष पुराना है। इस मंदिर की स्थापना प्रसिद्ध तांत्रिक भवानी मिश्र ने किया था।

तंत्र साधना से हुई थी माता की प्राण प्रतिष्ठा

इस मंदिर में माता की प्राण प्रतिष्ठा तंत्र साधना से ही गई थी। इस मंदिर के प्रति तांत्रिकों की अटूट आस्था है। कहा जाता है कि यहां किसी के नहीं होने पर भी कई तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। आधी रात को जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं।

इनकी मूर्तियां हैं मंदिर में स्थापित

इस मंदिर में दस महाविद्याओं काली, त्रिपुर भैरवी, धुमावती, तारा, छिन्न मस्ता, षोडसी, मातंगी, कमला, उग्र तारा, भुवनेश्वरी की मूर्तियां स्थापित हैं। इसके अलावा यहां बंगलामुखी माता, दत्तात्रेय भैरव, बटुक भैरव, अन्नपूर्णा भैरव, काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमा स्थापित की गई है। माना जाता है कि संपूर्ण अखंड भारत में जहां भी माता के शक्तिपीठ हैं वे सभी जागृत हैं।

वैज्ञानिकों ने भी माना चमत्कार

वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वैज्ञानिकों ने भी माना है कि यह कोई वहम नहीं है। इस मंदिर के परिसर में कुछ शब्द गूंजते रहते हैं। यहां पर वैज्ञानिकों की एक टीम रिसर्च के लिए गई थी। वैज्ञानिकों को भी वहां विचित्र आवाजें सुनाई दीं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती है।

30 साल से नहीं बैठ पाई ये लड़की, खड़े होकर ही करती है सारे काम

जिन लोगों को चलने-फिरने का अधिक काम होता है वे लोग अधिक देर तक खड़े रह सकते है लेकिन जिन लोगों की सिटिंग जॉब होती है या चलने फिरने का कम काम होता है, देर तक खड़े रहने पर उन लोगों के पैर जल्दी दुखने लगते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं एक लड़की ऐसी भी है जो 30 साल से नहीं बैठी है। वह या तो खड़ी रह सकती है या फिर लेट सकती है। इस लड़की की उम्र 32 साल है लेकिन उसे यह भी याद नहीं है कि वह पिछली बार कब बैठी थी। अगर वह बैठने की कोशिश भी करती है तो उसे असहनीय दर्द होता है इसलिए उसने बैठने की कोशिश भी नहीं की। 30 साल से बैठ न पाने वाली लड़की का नाम जोआना क्विच है जो कि पौलेंड की रहने वाली हैं। 32 साल की जोआना एक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित हैं इसलिए वे इतने सालों से बैठ नहीं पाई हैं। वे स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से पीड़ित हैं। उनकी बीमारी तीन जीन्स के म्यूटेशन से हुई है। एक इंटरव्यू के दौरान जोआना ने बताया कि जब वे 1-2 साल की थीं, तब उनकी मां ने उन्हें एक बार बैठाने की कोशिश की लेकिन उन्हें याद भी नहीं कि वह कभी बैठी भी थीं। उन्हें इस बात का डर है कि उनके पैर कभी भी खराब हो सकते हैं। जोआना क्विच को जो बीमारी है वह काफी कम लोगों को होती है। उनकी इस बीमारी ने उनके हिप्स और पैरों के ज्वाइंट को जोड़ दिया है, इस कारण वे बिना सहारे के खड़ी भी नहीं हो सकती हैं। इस स्थिति में उनकी रीढ़ की हड्डी के मसल्स कमजोर हो गए हैं, जिससे चलने और खड़े रहने में भी वे असमर्थ हैं। जोआना ने बताया, मैं कभी नहीं बैठ सकती। हां, बस इतना कर सकती हूं कि स्ट्रेट व्हीलचेयर्स के सहारे मैं खड़ी रह सकती हूं या लेट सकती हूं। मुझे अपनी रोजमर्रा के कामों में भी मदद की जरूरत होती है। टॉयलेट जाना हो या नहाना हो, मैं बिना सहारे के लिए नहीं कर सकती। हालांकि, जब मैं बच्ची थी, उस समय मैं अपने काम खुद कर सकती थी, लेकिन अब नहीं। जोआना 21 साल की उम्र तक अपने सभी काम कर सकती थीं लेकिन अभी उन्हें सहारे की जरूरत होती है। 2011 में वे अपने उस समय के बॉयफ्रेंड स्टैफोर्डशायर के साथ यूके चली गई थीं। उस समय वे स्पेशल व्हीलचेयर के द्वारा घूम सकती थीं और खड़ी रह सकती थीं। जोआना ने बताया, अगर अभी की बात करें तो मेरे शरीर में हमेशा दर्द बना रहता है क्योंकि मेरा वजन काफी अधिक हो गया है।

भाजपा राज में स्वास्थ्य सेवाएं चौपट, बिना इलाज दम तोड़ रहे मरीज : अखिलेश

» संजीवनी 108 एंबुलेंस सेवा ध्वस्त, जमीन पर लिटाकर हो रहा इलाज

» गर्मी में भी तमाम अस्पतालों में पेयजल की सुविधा नहीं

» पूंजीपतियों को खुश करने के इंतजाम में लगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को चौपट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। अस्पतालों में हर दर्जे की लापरवाही हो रही है। लाखों की दवाएं कूड़े के ढेर में जा रही हैं। गरीब बिना दवा और बिना इलाज के दम तोड़ रहे हैं। सरकार के लोग इस सबसे बेफिक्र बस अपनी यशगाथा सुनाने में लगे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सपा सरकार द्वारा प्रदेश में शुरू की गई संजीवनी 108 एंबुलेंस सेवा को धक्कामार बना दिया है। बुलंदशहर में बदहाली की यह तस्वीर दिखी कि एंबुलेंस स्टार्ट नहीं हुई। मरीज की जान पर बन आई। एंबुलेंस चालकों को सरकार के अहंकार और अन्याय की वजह से अपने जीवन में तकलीफे झेलनी पड़ रही हैं। तमाम ड्राइवरों की नौकरी जाने से परिवार दाने-दाने को मोहताज हो रहे हैं।

अस्पतालों में मरीजों के साथ उपेक्षापूर्ण व्यवहार होना आम बात हो गई है। इन दिनों मौसम के उतार-चढ़ाव के कारण बुखार और डायरिया के प्रकोप से पीड़ित बच्चों को सही इलाज नहीं मिल पा रहा है। बेड की कमी दिखाकर जमीन पर बच्चों को लिटाकर इलाज हो रहा है। उन्होंने कहा कि पांच साल में 10 हजार अग्निकांडों के बावजूद राजधानी लखनऊ में केवल दो अस्पतालों में बर्न यूनिट है और घायलों के लिए मात्र 75 बेड है। तमाम अस्पतालों में भीषण गर्मी के इन दिनों में न तो मरीजों या तीमारदारों को छांव नसीब है और नहीं पेयजल की सुविधा है। अस्पतालों की लंबी लाइनों में लोग बेहोश तक हो जा रहे है। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की दुर्दशा के पीछे भाजपा सरकार की अकर्मण्यता और पूंजीपरस्त नीतियां भी हैं। सरकारी अस्पतालों में अव्यवस्था और असुविधाओं का अंबार लगा है। वहां डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की भी कमी है। दूसरी ओर प्राइवेट अस्पतालों और नर्सिंग होम्स की संख्या में रोज-ब-रोज बढ़ोतरी हो रही है। वहां तमाम विशेषज्ञ सुविधाओं के दावे हो रहे हैं। भाजपा की जो पूंजीपरस्त मानसिकता है उसके चलते गरीब की तो कहीं पूछ नहीं, सरकार पैसे वालों की जिंदगी खुशहाल बनाने के सभी इंतजाम करने में लगी है। गरीब तो बस राम भरोसे ही जिन्दगी जीने को मजबूर है।

परिवार को कमरे में बंदकर लाखों के गहने ले उड़े चोर

» बेटे की शादी में बनवाई थी ज्वैलरी, पुलिस कर रही जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। मलपुरा क्षेत्र के अभयपुरा गांव में रविवार रात चोरों ने परिवार को कमरे में बंद करके 50 लाख के गहने और तीन लाख रुपये चोरी कर लिए। देर रात नींद खुलने पर घटना की जानकारी हुई। पीड़ित ने मलपुरा थाने में तहरीर दी है।

मलपुरा के अभय पुरा निवासी शिवराम सिंह का परिवार रविवार रात को दो कमरों में सो रहा था। तीसरे कमरे में रखी अलमारी में गहने और नकदी रखी थी। उन्होंने बताया कि 10 फरवरी को बेटे की शादी हुई थी। तब उन्होंने बहू के लिए गहने बनवाए थे। नौ मई को उनकी भतीजी की शादी थी। इसमें उनकी बेटियां आई हुई थी। उन सभी के गहने भी अलमारी में रखे थे। रविवार को चोर घर में घुस आए। अलमारी में रखे गहने और नकदी समेटकर भाग गए।

महिला सिपाही ने पहले काटी कलाई की नस, फिर फंदे से झूली

» पीजीआई थाने में थी तैनात पुलिस कर रही जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीजीआई थाना में तैनात महिला सिपाही सरिता निषाद रविवार को किसी से वीडियो कॉल पर बात कर रही थी। इसी दौरान उसने अपनी कलाई की नस तीन बार काट ली। फिर दुपट्टे का फंदा बनाकर पंखे के कुंडे से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सरिता के मोबाइल को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक लैब भेजा है। पड़ताल में मोबाइल पर अंतिम बार वीडियो कॉल की पुष्टि हुई है।

प्रभारी निरीक्षक पीजीआई धर्मपाल सिंह के मुताबिक, फतेहाबाद आगरा के कृष्णपुरा भरापुर निवासी सुरेंद्र चंद्र की बेटी सरिता महिला आरक्षी थीं। उसका चयन 2021 में हुआ था। अंडर ट्रेनिंग महिला सिपाही सरिता की 11 जनवरी 2022 से थाना पीजीआई पर तैनात हुई थीं। तैनाती के बाद उसने कल्ली पश्चिम में अन्य महिला आरक्षियों के साथ मिलकर किराये पर कमरा लिया था। रविवार को उसके साथ रहने

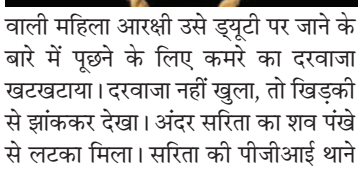

वाली महिला आरक्षी उसे ड्यूटी पर जाने के बारे में पूछने के लिए कमरे का दरवाजा खटखटाया। दरवाजा नहीं खुला, तो खिड़की से झांककर देखा। अंदर सरिता का शव पंखे से लटका मिला। सरिता की पीजीआई थाने में पहली पोस्टिंग थी। वह 10 दिन से छुट्टी पर घर गई थी। शनिवार शाम ही वह लौटी थी। सोमवार को उसे ड्यूटी ज्वाइन करनी थी। रविवार को उसने अपने कमरे के अंदर किसी से वीडियो कॉल करते हुए पहले ब्लेड से अपने हाथ की नस को तीन बार काटा। उसके बाद अपने दुपट्टे का फंदा बनाकर पंखे से लटककर फांसी लगा ली। पुलिस का कहना है कि कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस आत्महत्या के कारणों की पड़ताल कर रही है।

पूर्व विधायक अशरफ के खिलाफ एक और मुकदमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। अहमदाबाद के साबरमती जेल में बंद बाहुबली पूर्व सांसद अतीक अहमद के छोटे भाई और पूर्व विधायक खालिद अजीम उर्फ अशरफ के खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। बरेली जेल में बंद अशरफ पर धमकाने का आरोप है। धूमनगंज के प्रॉपर्टी डीलर सूरज पाल ने पूर्व विधायक अशरफ व अन्य के खिलाफ धूमनगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

एफआईआर के मुताबिक सूरजपाल ने पूर्व विधायक खालिद अजीम उर्फ अशरफ, खालिद जफर, मोहम्मद माज, दिलीप कुशवाहा, मुस्लिम, मोहम्मद हसन और अन्य के खिलाफ धूमनगंज थाने में रंगदारी मांगने, धमकी देने, जानलेवा हमला करने और एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। धूमनगंज थाना क्षेत्र के पीपल गांव निवासी सूरजपाल ने डेढ़ साल पहले एक जमीन खरीदी थी। आरोप है कि 13 नवंबर 2021 को जब उन्होंने काम शुरू किया तो पूर्व विधायक अशरफ के इशारे पर नामजद आरोपी वहां पहुंच गए और धमकाया।

वाराणसी में पिता-पुत्र की हत्या से सनसनी, आरोपी गिरफ्तार

» पटरे से पीट-पीटकर उतार दिया मौत के घाट, फोर्स तैनात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। सोयेपुर में रविवार की देर रात पिता-पुत्र की पटरे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गयी। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। तनाव को देखते हुए पुलिस फोर्स तैनात की गयी है।

पिता जलालुद्दीन और पुत्र शमशेर की दशमी राजभर ने घर में पटरे से पीट पीटकर हत्या कर दी। मृतक पिता-पुत्र लालपुर स्थित हासिमपुर पोखरे के मूल निवासी थे। पुलिस के अनुसार आरोपी दशमी राजभर हत्या के बाद अपने घर में जाकर सो रहा था। उसे लगा कि हत्या करते हुए उसको किसी ने नहीं देखा मगर मृतक के छोटे बच्चों ने पुलिस को पूछताछ के दौरान बताया कि दशमी राजभर ने उनके दादा और पिता की हत्या की है। बच्चों ने बताया कि मृतक की पत्नी मुंबई गयी हुई है। वहीं वारदात की

जानकारी के बाद परिजनों से पुलिस ने संपर्क कर वारदात की जानकारी दी है। दो समुदाय से जुड़ा मामला होने की वजह से सोयेपुर क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है। पुलिस ने बताया कि हत्यारे की गिरफ्तारी हो चुकी है उसका नाम दशमी राजभर है। उसने पटरे से मारकर दो लोगों की हत्या की है। पुलिस विधिक कार्रवाई करने के साथ ही आरोपी से भी पूछताछ कर रही है। गांव के लोगों के मुताबिक इनके बीच पुरानी रंजिश थी।

अनिल रॉयल फिर बने मीडिया सेंटर के अध्यक्ष

» दैनिक रॉयल बुलेटिन के संपादक हैं अनिल

» मिर्जा गुलजार बेग महामंत्री और राधेश्याम वर्मा कोषाध्यक्ष निर्वाचित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरनगर। मीडिया सेंटर के तीन पदों के लिए चल रही चुनाव प्रक्रिया को रविवार को विराम लग गया, जिसमें अनिल रॉयल को एक बार फिर मीडिया सेंटर का अध्यक्ष चुना गया। महामंत्री पद के लिए मिर्जा गुलजार बेग व कोषाध्यक्ष पद के लिए राधेश्याम वर्मा को निर्विरोध चुना गया। मीडिया सेंटर के प्रेस प्रवक्ता पद पर एक बार फिर मोहम्मद शाहनवाज को सर्वसम्मति से चुना गया। मीडिया सेंटर की कार्यकारिणी की घोषणा चयनित पदाधिकारियों द्वारा सर्वसम्मति से

एक सप्ताह में की जायेगी।

मीडिया सेंटर की वर्ष 2022-23 की कार्यकारिणी के लिए चुनाव कराये जाने की घोषणा मीडिया सेंटर की आम सभा में की गयी थी, जिसमें तय हुआ था कि तीन पदों पर चुनाव कराया जाएगा। जिसमें अध्यक्ष, महामंत्री व कोषाध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा जबकि बाकी की कमेटी सर्वसम्मति से चुने गये तीनों पदाधिकारियों द्वारा बनायी जायेगी। तीनों पदों के लिए फार्मों की बिक्री पांच मई से लेकर 10 मई तक थी जबकि 12 मई तक नामांकन होना था और 13 मई को नाम वापसी होनी थी। महामंत्री पर दो नामांकन आये थे, जिनमें मिर्जा गुलजार बेग व सतीश मलिक द्वारा नामांकन किया गया था। कोषाध्यक्ष पद पर भी दो नामांकन हुए थे, जिनमें पवन अग्रवाल व राधेश्याम वर्मा द्वारा नामांकन किया गया। अध्यक्ष पद के लिए कोई नामांकन नहीं हुआ था। 13 मई को सतीश मलिक व पवन अग्रवाल द्वारा अपनी दावेदारी वापिस ले ली गयी, जिसके बाद मिर्जा गुलजार बेग निर्विरोध महामंत्री व राधेश्याम वर्मा निर्विरोध कोषाध्यक्ष चुन लिये गये। आम सभा में तय हुआ था कि जिस पद पर कोई नामांकन नहीं होगा, उस पद के लिए पर्ची डलवाई जायेगी, जिसमें सभी सदस्य अपने पसंदीदा व्यक्ति का नाम देकर उसे चुन सकेंगे। 15 मई को आम सभा बुलाई गयी, जिसमें सभी सदस्यों ने पर्ची पर गोपनीय रूप से अपने पसंदीदा अध्यक्ष का नाम लिखकर बॉक्स में डाला। जब मतों की गिनती हुई, तो 44 लोगों ने अनिल रॉयल को अध्यक्ष बनाने की इच्छा जाहिर की जबकि तीन लोगों ने बिनेश पंवार व एक व्यक्ति ने अनुज मुदगल को अध्यक्ष बनाने की इच्छा जाहिर की, जिसके बाद अनिल रॉयल को एक बार फिर मीडिया सेंटर का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस दौरान मीडिया सेंटर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनिल रॉयल ने कहा कि मीडिया सेंटर हमेशा पत्रकारों के हितों की लडाई लड़ता आया है और भविष्य में भी पत्रकारों के हितों की लड़ाई लड़ता रहेगा।

और तेज करें कोरोना का टीकाकरण, अफसर संक्रमितों पर रखें निगरानी : सीएम योगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज कहा कि उत्तर प्रदेश में कोविड टीके की 32 करोड़ से अधिक डोज लगाई जा चुकी हैं जबकि 11 करोड़ 29 लाख से अधिक कोविड टेस्ट भी किए जा चुके हैं। प्रदेश में 18 साल से अधिक आयु की पूरी आबादी को टीके की कम से कम एक डोज लग चुकी है, जबकि 90.53 प्रतिशत वयस्क लोगों को दोनों खुराक मिल चुकी हैं। 15 से 17 आयु वर्ग में 96.24 प्रतिशत से अधिक किशोरों को पहली खुराक मिल चुकी है और 71.67 प्रतिशत किशोरों को दोनों डोज लग चुकी हैं। 12 से 14 आयु वर्ग में 75.20 प्रतिशत से अधिक बच्चे टीकाकवर पा चुके हैं, इन्हें दूसरा डोज लगाया जाना भी शुरू हो चुका है।

योगी ने टीम-9 की बैठक में अफसरों को टीकाकरण और तेज किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा ट्रैक, टेस्ट, ट्रीट और टीकाकरण की नीति के सफल क्रियान्वयन से उत्तर प्रदेश में कोविड पर प्रभावी नियंत्रण बना हुआ है। वर्तमान में प्रदेश में कुल 1097 एक्टिव केस हैं।

आज रात्रिभोज में शामिल होंगे पीएम मंत्रियों को देंगे सुशासन का मंत्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज शाम मुख्यमंत्री आवास पर प्रदेश सरकार के नवनियुक्त मंत्रियों से मुखातिब होंगे। पीएम मोदी करीब एक घंटे तक उनको सुशासन, संगठन से समन्वय, जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पाठ पढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री कुशीनगर से लौटते समय शाम को अमौसी एयरपोर्ट आएंगे। वहां से सीधे मुख्यमंत्री आवास जाएंगे। मुख्यमंत्री आवास पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह की मौजूदगी में सरकार के मंत्रियों से बात करेंगे। प्रधानमंत्री इसके बाद मंत्रियों के साथ रात्रिभोज कर दिल्ली लौट जाएंगे।

प्रदेश के अस्पतालों और बहुमंजिली इमारतों का होगा सघन निरीक्षण

पिछले 24 घंटे में पूरे प्रदेश में 138 नए केस की पुष्टि हुई, जिसमें, गौतमबुद्ध नगर में 70, गाजियाबाद में 20, लखनऊ में 11 नए केस शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी बहुमंजिला भवनों, अस्पतालों, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स आदि में अग्निशमन व्यवस्थाओं का सघन निरीक्षण किया जाए।

चारधाम यात्रा के बदले नियम

पंजीकरण के बाद ही दर्शन का प्लान करें श्रद्धालु

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। चारधाम यात्रा को लेकर उत्तराखंड सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार की ओर से कहा गया है कि चारधामों में प्रतिदिन दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की निर्धारित संख्या तक ही पंजीकरण संभव होंगे। यहां पहुंचने वाले श्रद्धालु असुविधा से बचने के लिए पंजीकरण की उपलब्धता की जांच के बाद कार्यक्रम तैयार करें।

पर्यटन सचिव दिलीप जावलकर ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा चारों धामों - बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री की क्षमता को ध्यान में रखते हुए प्रतिदिन दर्शन के लिए तीर्थ यात्रियों की संख्या निर्धारित कर दिया है। इसी के हिसाब से क्षमता के अनुरूप पंजीकरण पोर्टल पर सॉफ्टवेयर को डिजाइन कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि जिन तिथियों में निर्धारित सीमा तक पंजीकरण हो चुके हैं, उन तिथियों पर और अधिक पंजीकरण नहीं किया जा सकता। दर्शनार्थियों को अगली उपलब्ध तिथियों पर पंजीकरण कराने की सलाह दी जा रही है। पंजीकरण करते समय श्रद्धालु उपलब्धता की जांच करने के बाद ही मंदिरों के भ्रमण का अपना कार्यक्रम बनाएं।

फोटो : 4पीएम

बुद्ध पूर्णिमा

लखनऊ। बुद्ध पूर्णिमा पर राजधानी में आज भक्तों ने गंगा स्नान किया। साथ ही मंदिरों में पूजा-अर्चना भी की। बुद्ध पूर्णिमा के चलते विभिन्न घाटों पर स्नान को श्रद्धालु उमड़े। इसके अलावा विशाल द पार्क के पास बौद्ध विहार मंदिर में भी भक्तों ने पूजा-अर्चना की।

मेरा काम सिर्फ चुनाव तक ही सीमित नहीं : मेनका गांधी

» आपके सुख-दुख का सहभागी बनना मकसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से संचालित टैबलेट व स्मार्टफोन योजना की सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने सराहना की। उन्होंने कहा कि इस योजना से प्रदेश का हर युवा तकनीकी रूप से दक्ष होगा। धनपतगंज के हर्ष महिला पीजी कॉलेज में छात्राओं को स्मार्टफोन व टैबलेट वितरित करते हुए सांसद ने छात्राओं को इसका उपयोग करके आगे बढ़ने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि इस योजना से युवाओं के हाथों में टैबलेट व जेब में स्मार्टफोन होगा।

सांसद ने कॉलेज में 136 छात्राओं को टैबलेट व स्मार्टफोन वितरित किया। इसके पहले शहर में अंबे दल की ओर से भीषण गर्मी में जानवरों के लिए की गई पेयजल की व्यवस्था का उन्होंने शुभारंभ किया। गंगा वलीपुर, निसासिन, अशरफपुर, गोविंदपुर समेत कई जगह चौपाल में सांसद ने लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने तीन साल की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि वे संसदीय क्षेत्र के हर व्यक्ति को खुश देखना चाहती हैं। सुल्तानपुर के लोगों के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले हैं। सांसद ने कहा कि मेरा काम सिर्फ चुनाव तक सीमित नहीं है बल्कि लोगों की तकलीफों में खड़ा होना भी है।

कांग्रेस शुरू करेगी भारत जोड़ो यात्रा

पार्टी के भीतर सुधार के लिए गठित होगी टास्क फोर्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राजस्थान के उदयपुर में आयोजित चिंतन शिविर में कांग्रेस के भीतर सुधार शुरू करने के लिए टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की। साथ ही जनता से जुड़ने के लिए भारत जोड़ों यात्रा का एलान भी किया। उन्होंने कहा कि हम दो अक्टूबर से गांधी जयंती के दिन कन्या कुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ों यात्रा की शुरुआत करेंगे। इस यात्रा में सभी युवा और नेता शामिल होंगे।

सोनिया गांधी ने कहा टास्क फोर्स के गठन के साथ दिन-प्रतिदिन के कामकाज में कांग्रेस अध्यक्ष को सलाह देने के लिए एक सलाहकार निकाय का भी गठन किया जाएगा।

जनता से फिर जोड़ना होगा कनेक्शन

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने चिंतन शिविर में नेताओं से जनता के बीच जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनता के साथ पार्टी का संपर्क टूट गया है जिसे फिर से जोड़ने की जरूरत है। राहुल ने एलान किया कि आगामी अक्टूबर महीने में पार्टी के नेता और कार्यकर्ता जनता के बीच जाएंगे और उनकी समस्याओं से रूबरू होंगे। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला भी बोला। राहुल ने कहा कि मौजूदा सरकार में जनता को आवाज उठाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा हमारी यह यात्रा करोड़ों लोगों की दिन-प्रतिदिन की चिंताओं को उजागर करने के लिए है। सोनिया गांधी ने कहा कि आंतरिक सुधारों की प्रक्रिया को चलाने के लिए एक काम्पैक्ट टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा जो आवश्यक है। इस पर अलग-अलग चर्चा की गई है। साल 2024 के लोकसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित करने वाले इन सुधारों में संगठन के सभी पहलुओं को शामिल किया जाएगा। इसमें पार्टी की संरचना, पार्टी पदों पर नियुक्तियों के नियम, संचार और प्रचार, वित्त और चुनाव प्रबंधन शामिल हैं। सोनिया गांधी ने कहा कि टास्क फोर्स की संरचना कैसी होगी इस बारे में अगले दो-तीन दिनों में स्पष्ट हो जाएगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।